संडे नवभारत टाइम्स, नई दिल्ली, 16 दिसंबर 2007

PAGE - 1

'पहले स्लो थे बिजली के मीटर'

अब स्पीड नॉर्मल, सो ज्यादा लगता है बिल : शीला

प्रमुख संवाददाता ॥ नई दिल्ली

मुख्यमंत्री शीला दीक्षित ने अपने दिल्ली राज के नौ साल पूरे होने पर राजधानी के लोगों को बताया कि अब उनके बिजली बिल में ज्यादा-ज्यादा रकम क्यों आ रही है। उन्होंने कहा कि पहले मीटर स्लो चलते थे। अब उनकी स्पीड नॉर्मल है। लोगों को पहले यह पता ही नहीं था कि उनके मीटर कम खपत दिखाते हैं। यही वजह है कि अब लोगों को लगता है कि नए मीटर तेज चल रहे हैं।

संवाददाताओं से बातचीत में मुख्यमंत्री ने बिजली के निजीकरण को अपनी अहम उपलब्धि बताई। उन्होंने कहा कि 10 साल पहले दिल्ली में एक-एक सप्ताह तक बिजली गुल रहती थी, लेकिन अब ऐसे हालात नहीं हैं। निजीकरण के बाद भले ही कुछ लोग मीटर तेज चलने की शिकायत करें, लेकिन मुझे बताया गया है कि अगर हीटर है तो मीटर नहीं और अगर मीटर है तो हीटर नहीं। उन्होंने दावा किया कि बिजली कंपनियों के आने के बाद से दिल्ली में बिजली चोरी 56 फीसदी से कम होकर 30 फीसदी तक रह गई है। एक बिजली कंपनी ने तो चोरी का प्रतिशत कम करके 22 फीसदी तक कर दिया है।

मुख्यमंत्री ने माना कि पिछली बार की बजाय इस बार उनके सामने चुनौतियां ज्यादा हैं, लेकिन उन्हें विश्वास है कि इस बार भी उन्हें पब्लिक के सामने जाने में किसी तरह की हिचक या शर्मिंदगी नहीं होगी।

> "लोगों को पहले यह पता ही नहीं था कि उनके मीटर कम खपत दिखाते हैं। इसी कारण अब लोगों को लगता है कि नए मीटर तेज चल रहे हैं।"
>
> \- शीला दीक्षित

मकानों की तोड़फोड़ के मुद्दे पर सवालों का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि कोर्ट के इस ऑर्डर से सरकार को परेशानी जरूर हुई, लेकिन दिल्ली सरकार अदालत की अवमानना के डर से इस मसले पर चुप रही। तोड़फोड़ की वजह से लोग हमसे नाराज थे, लेकिन अब हाल ही में खुद सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि लोकतंत्र के सभी अंग अपने-अपने दायरे में रहें। अब लोगों को भी इसकी सचाई का पता चल गया है कि तोड़फोड़ में दिल्ली सरकार का कोई कसूर नहीं है।

शीला ने यह भी दावा किया कि दिल्ली सरकार ट्रांसपोर्ट के क्षेत्र में जो कदम उठा रही है, उससे अगले दो साल में दिल्ली के पब्लिक ट्रांसपोर्ट सिस्टम की पूरी तरह से तस्वीर बदल जाएगी। अस्पतालों में भीड़ कम करने की योजना का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि अब दिल्ली के हर इलाके में डिस्पेंसरियां बनाई जाएंगी।